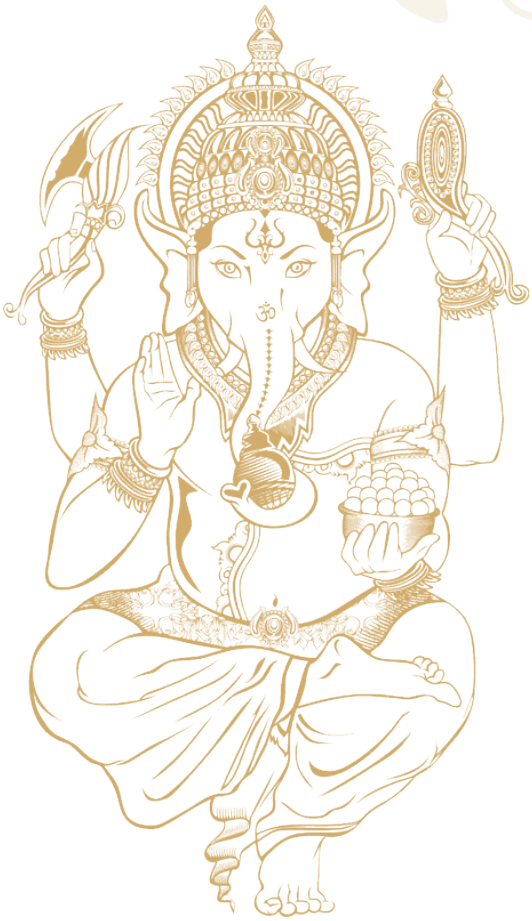

Mr. Parth Kohli

Ms.Urja Sahani

Model: Love-Horoscope

Order No: 120845901

Model: Love-Horoscope

Order No: 120845901 Date: 06/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/09/1997	जन्म तिथि	27/03/1999
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:54:00	जन्म समय	12:27:00 घंटे
घटी 04:48:11	जन्म समय(घटी)	15:28:03 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Ahmedabad
29:01:00 उत्तर	अक्षांश	23:03:00 उत्तर
77:45:00 पूर्व	रेखांश	72:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:00	स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:58:43	सूर्योदय	06:37:31
18:36:11	सूर्यास्त	18:52:37
23:49:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:36
कन्या	लग्न	मिथुन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	कर्क
बुध	राशि-स्वामी	चन्द्र
हस्त	नक्षत्र	आश्लेषा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	1
शुक्ल	योग	सुकर्मा
गर	करण	वणिज
ठ-ठाकुर	जन्म नामाक्षर	डी-डिंपल
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	मार्जार
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	श्वान

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 0वर्ष 8मा 17दि		13:11:27	कन्या	लग्न	मिथु	16:49:09	बुध 15वर्ष 3मा 3दि	
गुरु		18:44:50	सिंह	सूर्य	मीन	12:19:19	शुक्र	
24/05/2023		22:22:46	कन्या	चंद्र	कर्क	18:01:52	30/06/2021	
24/05/2039		20:00:34	तुला	मंगलव	तुला	17:53:04	30/06/2041	
गुरु	12/07/2025	10:36:31	सिंह व	बुध व	कुंभ	28:48:11	शुक्र	29/10/2024
शनि	23/01/2028	19:59:57	मक व	गुरु	मीन	16:01:45	सूर्य	29/10/2025
बुध	30/04/2030	28:00:32	कन्या	शुक्र	मेष	16:50:53	चन्द्र	30/06/2027
केतु	06/04/2031	25:33:31	मीन व	शनि	मेष	09:01:02	मंगल	29/08/2028
शुक्र	05/12/2033	25:52:58	सिंह	राहु	कर्क	27:33:04	राहु	30/08/2031
सूर्य	23/09/2034	25:52:58	कुंभ	केतु	मक	27:33:04	गुरु	30/04/2034
चन्द्र	23/01/2036	11:31:13	मक व	हर्ष	मक	21:43:26	शनि	30/06/2037
मंगल	29/12/2036	03:39:36	मक व	नेप	मक	10:04:39	बुध	29/04/2040
राहु	24/05/2039	09:08:51	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:36:10	केतु	30/06/2041

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:26 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:36

लग्न-चलित

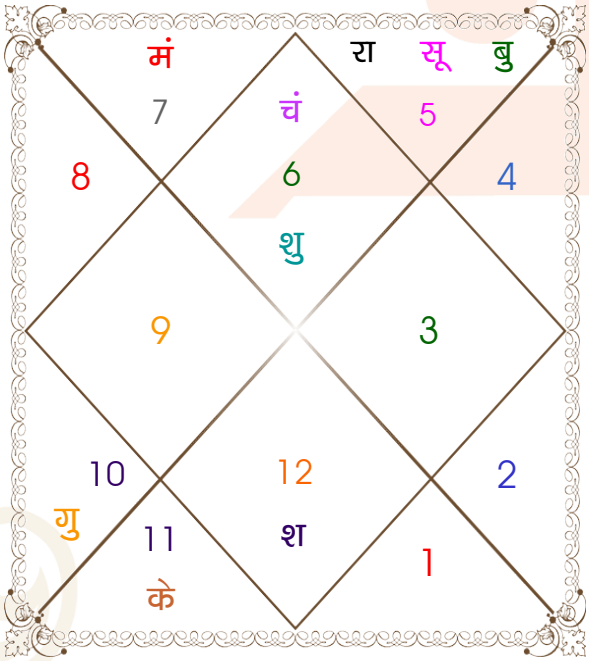

लग्न-चलित

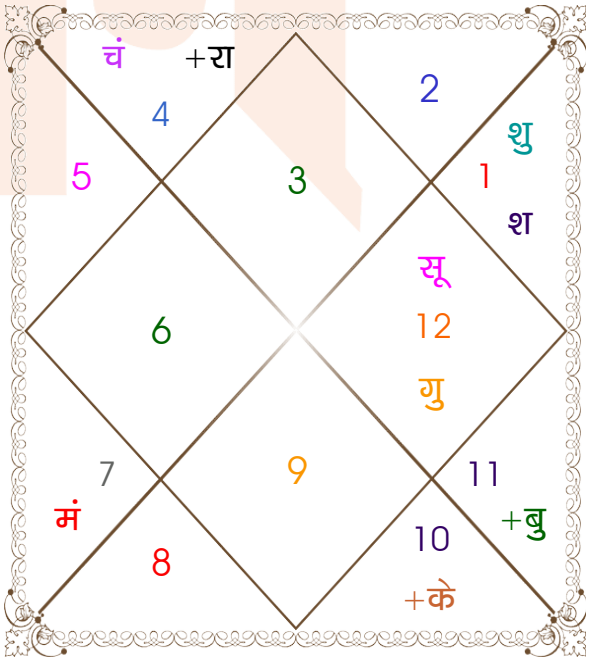

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

कुल : **21.5 / 36**

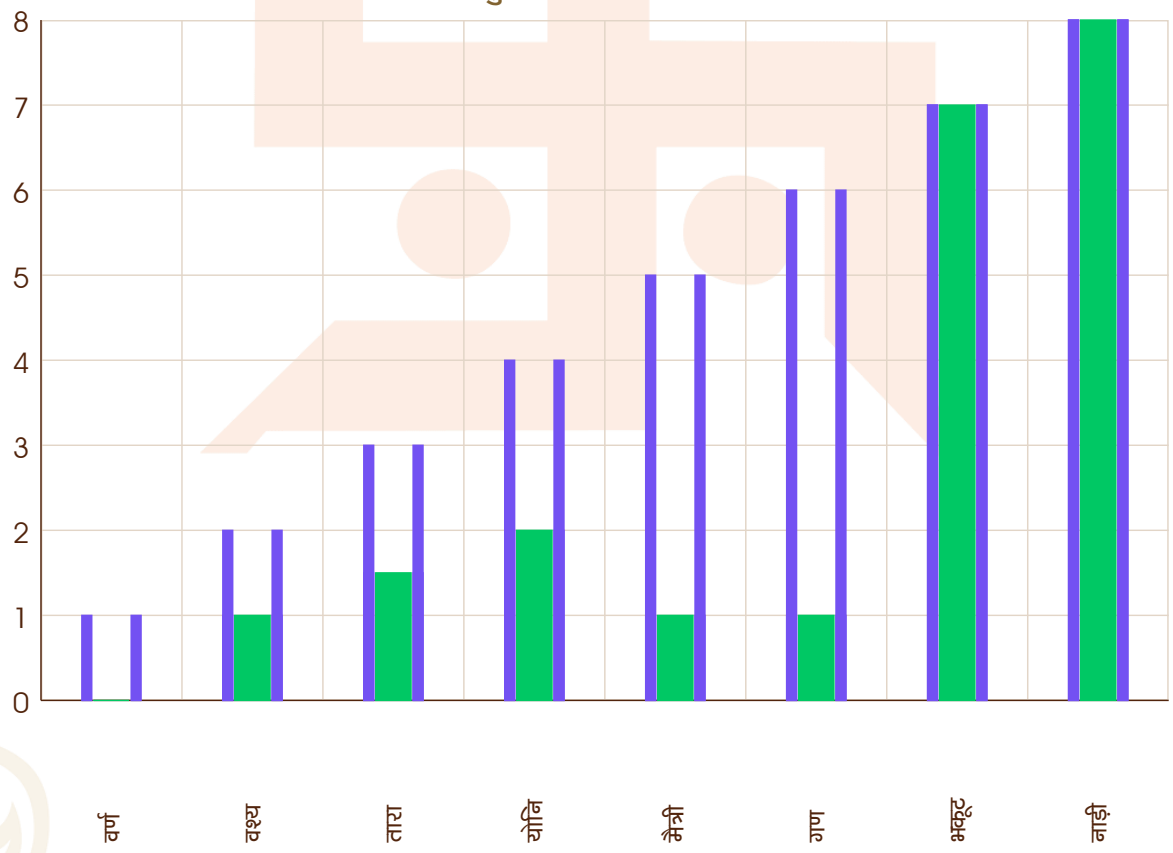

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

अष्टकूट मिलान

डतण चंतजी ज्ञवीसप का वर्ग श्वान है तथा Ms.Urja Sahani का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण चंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण चंतजी ज्ञवीसप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms.Urja Sahani मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डतण चंतजी ज्ञवीसप तथा Ms.Urja Sahani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण ंतजी ज्ञवीसप का वर्ण वैश्य है तथा Ms.Urja Sahani का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.Urja Sahani का वर्ण डतण ंतजी ज्ञवीसप के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.Urja Sahani अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms.Urja Sahani को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

डतण ंतजी ज्ञवीसप का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.Urja Sahani का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें डतण ंतजी ज्ञवीसप एवं Ms.Urja Sahani दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः डतण ंतजी ज्ञवीसप Ms.Urja Sahani पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि डतण ंतजी ज्ञवीसप हमेश Ms.Urja Sahani के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

डतण ंतजी ज्ञवीसप की तारा प्रत्यरि तथा Ms.Urja Sahani की तारा साधक है। डतण ंतजी ज्ञवीसप की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत डतण ंतजी ज्ञवीसप कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Ms.Urja Sahani को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

डतण ंतजी ज्ञवीसप की योनि महिष है तथा Ms.Urja Sahani की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण ंतजी ज्ञवीसप से Ms.Urja Sahani का राशि स्वामी शत्रु है। परन्तु Ms.Urja Sahani से डतण ंतजी ज्ञवीसप का राशि स्वामी मित्र है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में डतण ंतजी ज्ञवीसप का राशि स्वामी Ms.Urja Sahani के राशि स्वामी को शत्रु समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में डतण ंतजी ज्ञवीसप उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकता है जिसके कारण वह अपनी पत्नी से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगा तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी। जबकि इसके विपरीत कन्या, डतण ंतजी ज्ञवीसप को खूब प्यार करने वाली तथा ख्याल रखने वाली होंगी।

गण

डतण ंतजी ज्ञवीसप का गण देव तथा Ms.Urja Sahani का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Ms.Urja Sahani निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Ms.Urja Sahani की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

डतण ंतजी ज्ञवीसप से Ms.Urja Sahani की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Ms.Urja Sahani से डतण ंतजी ज्ञवीसप की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण ंतजी ज्ञवीसप परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर डेण्न्तरं

ौंदप हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

डतण ंतजी ज्ञवीसप की नाड़ी आद्य है तथा Ms.Urja Sahani की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। डतण ंतजी ज्ञवीसप की आद्य नाड़ी तथा Ms.Urja Sahani की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण ंतजी ज्ञवीसप की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा Ms.Urja Sahani की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं जलतत्व में समानताएं होने के कारण डतण ंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता का भाव रहेगा। अतः मिलान अनुकूल रहेगा।

डतण ंतजी ज्ञवीसप की राशि का स्वामी बुध तथा Ms.Urja Sahani की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र एवं शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही Ms.Urja Sahani डतण ंतजी ज्ञवीसप के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगी जिससे डतण ंतजी ज्ञवीसप को Ms.Urja Sahani से अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। फलतः एक दूसरे के प्रति सहयोग मित्रता एवं सहयोग के भाव में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन का सुख मध्यम रहेगा।

डतण ंतजी ज्ञवीसप एवं Ms.Urja Sahani की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी होगी तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रखेंगे। साथ ही गुणों पर विशेष ध्यान देकर एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता बढ़ेगी तथा मानसिक शांति भी बनी रहेगी।

डतण ंतजी ज्ञवीसप का वश्य मानव तथा Ms.Urja Sahani का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं जलचर में असमानता का भाव रहता है। अतः डतण ंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे। अतः धैर्य एवं सावधानी से ही शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं।

डतण ंतजी ज्ञवीसप का वर्ण वैश्य एवं Ms.Urja Sahani का वर्ण ब्राह्मण है। अतः डतण ंतजी ज्ञवीसप धनार्जन में प्रवृत होंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। लेकिन Ms.Urja Sahani शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

डतण ंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। डतण ंतजी ज्ञवीसप एवं Ms.Urja Sahani की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण ंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

डतण ंतजी ज्ञवीसप को लाटरी या सटटे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार डतण ंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

डतण ंतजी ज्ञवीसप की नाड़ी आद्य तथा Ms.Urja Sahani की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसांरिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण ंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण ंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Urja Sahani के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Urja Sahani को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Urja Sahani को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण ंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण ंतजी ज्ञवीसप और Ms.Urja Sahani का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Urja Sahani के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Ms.Urja Sahani यत्नपूर्वक

सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Ms.Urja Sahani को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Ms.Urja Sahani को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

डतण ंतजी ज्ञवीसप के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में डतण ंतजी ज्ञवीसप के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतण ंतजी ज्ञवीसप के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा डतण ंतजी ज्ञवीसप भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।

लग्न फल

Mr. Parth Kohli

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल

सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।

Ms.Urja Sahani

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्वेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना

चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।

अंक ज्योतिष फल

Mr. Parth Kohli

आपका जन्म दिनांक पाँच होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक पाँच होता है। इसका स्वामी बुध ग्रह है। मूलांक पाँच के प्रभाववश आप रोजगार के क्षेत्र में नौकरी की अपेक्षा व्यापार के मार्ग की ओर अधिक आकृष्ट रहेंगे। यदि आप नौकरी का मार्ग चुनते हैं तो ऐसा रोजगार आपको अधिक पसन्द आयेगा। जहाँ लेन-देन, लेखा, यांत्रिकी, वाणिज्य, इत्यादि का कार्य होता हो। कम्पनी, फैक्ट्री, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुधग्रह के प्रभाववश आपके अन्दर वाक्पटुता, तर्कशक्ति अच्छी रहेगी एवं सामने वाले व्यक्ति को आप अपनी बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। आप हर कार्य को जल्दी समाप्त करना पसन्द करेंगे एवं ऐसे रोजगार की ओर उन्मुख होंगे जिसमें शीघ्र सफलता कम मेहनत तथा अधिक लाभ पर प्राप्त होती रहे। आप थोड़े जल्दबाज एवं फुर्तीले भी रहेंगे। जल्दबाजी के चक्कर में आप कभी-कभी हानियों का भी सामना करेंगे।

आपकी मानसिक स्थिति चंचल होने से आपको शीघ्र क्रोध आ जाया करेगा एवं कभी-कभी चिड़चिड़ाहट भी रहा करेगी। आप अधिकांशतः बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगे। इस कारण आपकी दिमागी ताकत अधिक खर्च होने से अधिक आयु में आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का भी सामना करना पड़ेगा।

मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से कमोवेश बुध के गुण-अवगुण आपके अन्दर आयेंगे। विद्याध्यन लेखन-पठन की ओर आपकी विशेष रुचि रहेगी।

Ms.Urja Sahani

आपका जन्म दिनांक 27 होने से दो और सात के योग द्वारा नौ आपका मूलांक होगा। जिसका अधिष्ठाता ग्रह मंगल है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक सात का भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह है।

मूलांक नौ का स्वामी मंगल एवं उनके ग्रहमण्डल का सेनापति होने से आपके अन्दर सेनापतित्व की भावना अधिक रहेगी। आप बचपन से अन्तिम अवस्था तक मुखिया के रूप में रहना पसन्द करेंगी। ऐसा ही रोजगार का क्षेत्र चुनेंगी, जिसमें आप स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें। साहस आपके अन्दर कूट-कूट कर भरा होगा तथा साहसिक कार्यों को करने में आपको विशेष आनन्द की अनुभूति होगी। स्वभाव से आप तेज गति वाली, शीघ्रातिशीघ्र कार्य को अंजाम देने वाली तथा जल्दी एवं फुर्ती से सभी कार्यों को संपादित करने वाली महिला के रूप मे ख्याति अर्जित करेंगी।

साहस आपका मुख्य गुण रहेगा और दुःसाहस अवगुण। कभी-कभी दुःसाहस वश आप अपने जीवन में गहरी चोट भी खायेंगी। अनुशासन पालन करना एवं कराना आपके स्वभाव में रहेगा। इससे आप कठोर हृदय की महिला कहलायेंगी। लेकिन कोई भी व्यक्ति

आपकी खुशामद, चापलूसी करके आपसे वांछित कार्य करा सकता है। अतः इस अवगुण के कारण खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से आप जीवन में कई बार हानि भी उठायेंगी। क्रोध की मात्रा आपके स्वभाव में ज्यादा ही रहेगी। इससे आपको हानियों की संभावनाएं प्रायः बनी रहेंगी एवं आपके शत्रुओं, विरोधियों की वृद्धि का कारण आपका क्रोध बनेगा।

अंक दो का स्वामी चद्र एवं सात का नेपच्यून आपकी कल्पना शक्ति, अन्वेषण कार्यों में वृद्धि करेगा। आपको बाग-बगीचे, हरियाली, जंगल, पहाड़ों की सैर करना अच्छा लगेगा।

Mr. Parth Kohli

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

Ms.Urja Sahani

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की हिमायती होंगी एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़ी दूर तथा आधुनिक होंगी।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगी। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।